आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 11 अंक : 12 लखनऊ, रविवार 28 जून से 06 जुलई, 2020 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

६६ साल के इतिहास में दूसरी बार लखनऊ से घोषित हुआ परीक्षा परिणाम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) के ६६वें वर्षों के कार्यकाल में दूसरी बार ऐसा हुआ है जब परीक्षा परिणामों की घोषणा प्रयागराज से बाहर की गयी। हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट २०२० परीक्षा का परिणाम प्रयागराज के स्थान पर शनिवार को लखनऊ से जारी किया गया। परिणाम बोर्ड के सचिव के स्थान पर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और माध्यमिक शिक्षा मंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने घोषित किया। वर्ष १९२१ में इलाहाबाद में यूपी बोर्ड की स्थापना की गई थी जबकि १९२३ में पहली हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षा आयोजित करवाई थी। ६६ साल के इतिहास में यह दूसरा अवसर होगा जबकि बोर्ड परीक्षा का परिणाम प्रयागराज की बजाय लखनऊ से जारी किया।

इससे पहले प्रयागराज से ही नतीजे जारी होते रहे। इससे पहले बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सरकार में २००७ में हाईस्कूल परीक्षा का परिणाम लखनऊ से घोषित किया गया था। उस समय परिणाम घोषित होने से पहले ही उत्तीर्ण प्रतिशत लीक हो गया था, जिससे काफी हंगामा हुआ था। हालांकि इंटरमीडिएट का रिजल्ट प्रयागराज से ही जारी हुआ था। अपनी स्थापना के बाद से बोर्ड ने तमाम उतार चढ़ाव देखे हैं और निरंतर छात्र–छात्राओं की संख्या बढ़ती गई। पहले हाईस्कूल एवं इंटर का रिजल्ट अलग–अलग तारीखों में जारी होता रहा है। बोर्ड प्रशासन ने २०१५ से हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट का परिणाम एक साथ घोषित करना शुरू किया। पहले परिणाम जून में आते रहे लेकिन न्यायालय के एक आदेश के बाद रिजल्ट की तारीखें घटती रहीं। पहले मई फिर अप्रैल माह तक परिणाम घोषित हुआ। वर्ष २०१६ का परिणाम बोर्ड ने २७ अप्रैल को घोषित किया था। बोर्ड सूत्रों के अनुसार इस साल यूपी बोर्ड की परीक्षाएं १८ फरवरी से छह मार्च के बीच आयोजित की गई थी। हाईस्कूल की परीक्षा १२ कार्य दिवस और इंटरमीडिएट की परीक्षा १५ कार्य दिवस में पूरी की गयीं। इस बार बोर्ड हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षा में ५१ लाख ३० हजार ४८१ परीक्षार्थी शामिल हुये जिसमें हाईस्कूल में २७ लाख ४४ हजार ६७६ और इंटरमीडिएट में २३ लाख ८५ हजार ५०५ परीक्षार्थी शामिल हुये। वर्ष २०२० बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा समय पर शुरू हुयी थी। देश में कोरोना संकट की वजह से उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में बिलंब के कारण परिणाम २७ जून को घोषित किया गया।

हाईस्कूल में २७ लाख ४४ हजार ९७६ और इंटरमीडिएट में २३ लाख ८५ हजार ५०५ परीक्षार्थी शामिल हुय

यूपी बोर्ड के नतीजे घोषित, हाईस्कूल में 83.31 और इंटर में 74.63 फीसद परीक्षार्थी उत्तीर्ण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने शनिवार को राजधानी के लोकभवन में यूपी बोर्ड परीक्षा–२०२० का परिणाम घोषित कर दिया। इस बार हाई स्कूल व इंटरमीडिएट दोनों का रिजल्ट पिछले साल की तुलना में अच्छा आया है। हाईस्कूल में ८३.३१ फीसद और इंटरमीडिएट में ७४.६३ प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने पत्रकारों को बताया कि इस बार हाई स्कूल व इंटरमीडिएट दोनों का रिजल्ट पिछले साल की तुलना में अच्छा आया है। हाईस्कूल में ८३.३१ फीसद परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। छात्राओं का उत्तीर्ण प्रतिशत ८७.२२ है। बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत बालकों की अपेक्षा ७१.० प्रतिशत अधिक है। इंटरमीडिएट में ७४.६३ फीसद विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। इंटरमीडिएट का पास परसेंटेज ७४.५० रहा। बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत बालकों की अपेक्षा १३ प्रतिशत अधिक है। उन्होंने बताया कि हाई स्कूल में बागपत की रिया जैन ने ६६.६७ फीसद अंक प्राप्त कर पहला स्थान प्राप्त किया। दूसरे नंबर पर बाराबंकी के अभिमन्यु वर्मा ६५.८३ फीसद अंक मिला। बाराबंकी के ही योगेश प्रताप सिंह तीसरे नंबर पर रहे। उन्हें ६५.३३ फीसद अंक मिले हैं। डॉ. शर्मा ने बताया, "इंटरमीडिएट में बागपत के अनुराग मलिक ने पहला स्थान प्राप्त किया। उन्हें ६७ फीसद अंक प्राप्त हुए हैं। दूसरे नंबर पर प्रयागराज के प्रांजल को ६६ प्रतिशत अंक मिला और तीसरे नंबर पर औरैया के उत्कर्ष शुक्ला ६४.८० फीसद अंक मिला।" उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि इस बार १०वीं व १२वीं की परीक्षा में कुल ५१,३०,४८१ परीक्षार्थी शामिल हुए। जिसमें १०वीं में २७,४४,६७६ परीक्षार्थी व १२ में २३,८५, ५०५ परीक्षार्थी शामिल रहे। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार परीक्षा परिणाम अच्छे रहे। उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा, "कोरोना के संक्रमण काल में यह परिणाम घोषित होना बड़ी उपलब्धि है। दो करोड़ ६६ लाख कपियों को २१ दिनों में जांचना भी बड़ी उपलब्धि है। इस बार नकल विहीन परीक्षा हो, इसके लिए पर्याप्त इंतजाम किए गए थे। लखनऊ से परीक्षा केंद्रों का लाइव मनिटरिंग की जा रही थी। इस बार परीक्षा में तकनीक का पूर उपयोग किया गया। इस बार पहली बार इंटरमीडिएट में कंपार्टमेंट की व्यवस्था की गई है। यानी जो उनुत्तीर्ण हुए हैं उन्हें फिर उत्तीर्ण होने का अवसर मिलेगा।"

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी बोर्ड परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को दी बधाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को माध्यमिक शिक्षा परिषद(यूपी बोर्ड) की वर्ष २०२० की हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षाओं के सफल छात्र–छात्राओं को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की है। सीएम योगी ने कोविड–१९ जैसी वैश्विक महामारी के दौरान समय पर परीक्षा तथा लॉकडाउन के बावजूद समय से माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा परीक्षा परिणाम घोषित किये जाने पर उप मुख्यमंत्री एवं माध्यमिक शिक्षा मंत्री डॉ. दिनेश शर्मा तथा विभाग के अधिकारियों एवं कर्मियों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने इन परीक्षाओं के मेधावी छात्र–छात्राओं को विशेष रूप से बधाई देते हुए कहा कि मेरिट में आने वाले विद्यार्थियों ने अपने कठिन परिश्रम और मेधा से देश के सबसे बड़े बोर्ड के टॉपर के रूप में अपना नाम दर्ज किया है। कुशल मार्गदर्शन देकर मेधावी छात्र–छात्राओं को इस योग्य बनाने के लिए उन्होंने सभी विद्यालयों एवं आचार्यों को बधाई दी। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों के माता–पिता, अभिभावक तथा परिवार के सभी सदस्यों को भी बधाई दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मेधावी विद्यार्थियों की प्रतिभा का लाभ उत्तर प्रदेश और देश को मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार

द्वारा हाईस्कूल तथा इण्टरमीडिएट परीक्षाओं के टॉप–१० मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। सीएम योगी ने कहा कि बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत अधिक रहा जो सराहनीय है। प्रसन्नता का विषय है कि कोविड–१९ के बावजूद हाई स्कूल का परिणाम ८३.३१ प्रतिशत तथा इण्टरमीडिएट का ७४.६३ प्रतिशत रहा है, जो विगत वर्ष की तुलना में बेहतर है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि एक जुलाई से विद्यार्थियों को मार्कशीट वितरण का कार्य किया जाए। इस दौरान मास्क या फेस कवर अवश्य लगाया जाए तथा सोशल डिस्टेंसिंग का पूर्ण पालन किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड–१९ के मद्देनजर राज्य सरकार शिक्षा के सम्बन्ध में आगे की कार्ययोजना पर कार्य कर रही है। केन्द्र सरकार द्वारा जो भी दिशा–निर्देश दिए जाएंगे, उनके क्रम में राज्य सरकार सभी सम्बन्धित संस्थाओं के साथ विचार– विमर्श करते हुए आगे की रणनीति तैयार करेगी। गौरतलब है कि गत छह मार्च को सम्पन्न माध्यमिक शिक्षा परिषद, की परीक्षाओं में ५२.५७ लाख विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिनका परीक्षाफल आज घोषित किया गया है। इन परीक्षार्थियों की २.८२ करोड़ उत्तर–पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य १.४६ लाख परीक्षकों ने अत्यन्त सतर्कता एवं कर्मठता के साथ लॉकडाउन अवधि में सम्पन्न किया।

सम्पादकीय

रोजगार के आंकड़ों पर परदा

सेंटर फॉर मोनिटरिंग ऑफ इंडियन इकनोमी ने कुछ रोज पहले अपनी रिपोर्ट में ये कहा कि लॉकडाउन हटने के बाद देश में बेरोजगारी तेजी से घटी है। इसको लेकर एक भ्रम पैदा हुआ। सीएमआईई के निष्कर्ष पर कई सवाल खड़े किए गए। तो उसके बाद इस संस्था ने स्पष्टीकरण दिया कि ये सामान्य गतिविधियां हैं, जो अब शुरू हो गई हैं। जहां तक सैलरी जॉब का सवाल है, उसकी स्थिति बदतर बनी हुई है। सीएमआईई के डेटा काफी विश्वसनीय माना जाता है रहा। फिर भी ज्यादातर जानकार मनरेगा और मौसमी कृषि गतिविधि के दम पर दर्ज की गई रोजगार में इस वृद्धि को असली वृद्धि नहीं मानते हैं। उनके मताबिक जो व्यक्ति शहर में किसी नियमित रोजगार या स्वरोजगार में था और वो सब बंद हो जाने से उसने गांव जा कर मनरेगा के तहत कुछ काम किया तो इसे रोजगार के आंकड़ों में नहीं जोड़ना चाहिए। वह व्यक्ति जिस तरह का काम कर रहा था और उस से उसकी जिस तरह की आय हो रही थी, उसे ना तो वैसा काम मिला और ना वैसी आय। इस वजह से यह संकेत देना कि अर्थव्यवस्था महामारी से पहले के स्तर की तरफ लौट रही है, भ्रामक है। यह सच्चाई इस से दूर है। विशेषज्ञों के मुताबिक ग्रामीण अर्थव्यवस्था की का हाल बहुत बुरा है, क्योंकि कृषि उत्पादों के दाम पहले से भी बहुत ही नीचे स्तर पर हैं। फिर यह गौरतलब है कि शहरों से तो अभी भी गांवों की तरफ पलायन ही चल रहा है, जो कि शहरों में नौकरियां ना होने का सबूत है। जहां तक गांवों की बात है तो वहां से कहीं लोगों के अभी तक मनरेगा के जॉब–कार्ड ही नहीं बनने और जहां बने हैं उनमें से बहुत सी जगहों से ५–७ दिनों में एक दिन काम मिलने की खबरें आई हैं। बहरहाल, सरकारी आंकड़ों के अभाव में सीएमआईई के आंकड़ों को पूरी तरह से मान लेना या नकार देना मुश्किल है। असलियत क्या है यह जानने के लिए कुछ और अध्ययनों का इंतजार करना पड़ेगा। फिलहाल यह स्मरणीय है कि सीएमआईई ने तालाबंदी के दौरान २७ प्रतिशत बेरोजगारी के आंकड़े दिए थे। तब कई दूसरी संस्थाओं के आंकड़े ५० से ६० प्रतिशत बेरोजगारी दिखा रहे थे। असल मुद्दा यह है कि भारत सरकार ने अपने आंकड़ों पर परदा डाल दिया है। नतीजा है कि आज असली सूरत जानने के लिए हमें गैर–सरकारी आंकड़ों का मुंह ताकना पड़ता है।

उप्र में विशेष सुरक्षा बल (यूपीएसएसएफ) के गठन को मंजूरी

लखनऊ। कोरोना संकट को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल (यूपीएसएसएफ) के गठन को मंजूरी दे दी है। अब कोर्ट, मेट्रो, एयरपोर्ट, औद्योगिक प्रतिष्ठानों, प्रमुख धार्मक स्थलों और बैंकों की सुरक्षा यूपीएसएसएफ के हवाले होगी। मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि पहले चरण में इस बल की ५ बटालियन का गठन किया जाएगा। उन्होंने इसके लिए जल्द ही ड्राफ्ट तैयार कर प्रस्ताव देने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, यूपी में अलग–अलग कोर्ट में हुई घटनाओं के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट बेंच ने स्वतरू संज्ञान लेते हुए सरकार को स्पेशल फोर्स के गठन के आदेश दिए थे। यूपी सरकार ने केंद्रीय सीआईएसएफ की फोर्स की तर्ज पर यूपीएसएसएफ का गठन करने का फैसला किया है। यह फोर्स मेट्रो रेल, एयरपोर्ट, औद्योगिक संस्थान, बैंक समेत अन्य वित्तीय संस्थाओं

और ऐतिहासिक, धार्मिक, तीर्थ स्थलों की सुरक्षा करेगी। इसके गठन को लेकर काफी लंबे समय से चर्चा चल रही थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय की मांग के अनुसार मेट्रो रेल, एयरपोर्ट, औद्योगिक संस्थानों, बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों के साथ जिला न्यायालयों की सुरक्षा के लिए विशेष प्रशिक्षित बल की जरूरत होती है। इस कारण यूपीएसएसएफ की स्पेशल ट्रेनिंग कराई जाएगी। इसमें आधुनिक सुरक्षा प्रणाली और सुरक्षा उपकरणों की जानकारी दी जाएगी। यूपीएसएसएफ का मुख्यालय लखनऊ में प्रस्तावित है। प्रथम चरण में इस बल की पांच बटालियन का गठन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जल्द इसकी रूपरेखा तैयार कर प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। पुलिस विभाग के सूत्रों के मुताबिक, बीते दिनों औरैया में जिला कोर्ट में जज पर हमला हुआ था। इसके बाद सरकार ने फोर्स गठन की मंजूरी देने का फैसला लिया।

यूपी बोर्ड टॉपरों के घर तक उनके नाम से बनेगी सड़क

लखनऊ। उप्र बोर्ड के हाईस्कूल, इंटर के परीक्षा परिणाम जारी होने पर मेधावियों को उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने बधाई दी है। इस दौरान उन्होंने घोषणा की कि बोर्ड टॉपरों के घर तक उनके ही नाम से सड़कें बनवाई जाएंगी। उन्होंने कहा, "सिर्फ यूपी बोर्ड ही नहीं सीबीएसई तथा आईसीएसई बोर्ड के इंटर तथा हाईस्कूल के टॉप–१० परीक्षार्थियों के घर तक सड़क का निर्माण किया जाएगा। इन प्रतिभाशाली छात्र–छात्राओं को सामने लाने वाले स्कूलों तक भी सड़कों का निर्माण करवाया जाएगा। उत्तर प्रदेश के जो भी २० स्टूडेंट्स टॉपर्स की लिस्ट में आएंगे, उनके नाम से सड़क बनवाई जाएगी।" उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने यूपी बोर्ड के साथ ही सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड के टॉप २० छात्रों (हाईस्कूल व इंटर के १०–१०) के सम्मान में उनके घर तक की सड़क को मुख्य सड़क से जोड़कर बनाने की घोषणा की है। टॉप २० छात्रों के घर तक सड़क बनाने का काम लोक निर्माण विभाग करेगा। टॉपर्स के घर तक जाने वाली सड़क

का नामकरण उनके नाम पर किया जाएगा। उन्होंने कहा, "टाप–२० छात्र–छात्राओं के घरों तक व उनके स्कूलों तक डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम गौरव पथ के नाम से पक्की सड़कें बनाई जाएंगी तथा वहां पर बड़ा बोर्ड लगाकर छात्र –छात्रा के बारे में पूरा विवरण लिखा जाएगा।" उन्होंने कहा कि इससे छात्रों का मनोबल बढ़ेगा और उनके गांव तथा स्कूलों का भी नाम रोशन होगा और वे आगे की शिक्षा ग्रहण करने के लिए और अधिक प्रेरित होंगे। मौर्या ने अनुत्तीर्ण छात्राओं एवं छात्रों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा है कि वे निराश न हों, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती, मेहनत करें, उन्हें भी सफलता मिलेगी। ज्ञात हो कि केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशन में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम गौरव पथ योजना संचालित की जा रही है, जिसके तहत वर्ष २०१७ के २४ मेधावी छात्रों के निवास स्थलों तक ७. ४० करोड़ रुपये की धनराशि से सड़कों का निर्माण व मरम्मत कार्य कराया गया। वर्ष २०१८ के ८६ मेधावी छात्रों के निवास स्थल तक २३.१७ करोड़ रुपये की लागत से सड़कें बनवाई जा चुकी हैं। २०१६ के मेधावी छात्रों के निवास स्थल तक ६. ८६ करोड़ रुपये की लागत से बन रही सड़कों का काम प्रगति पर है।

जंगलराज का पर्याय बन गयी है योगी सरकार : लल्लू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने आज कहा कि योगी सरकार अब जंगलराज का दूसरा नाम हो गयी है। लल्लू ने यहां जारी बयान में कहा कि बलिया से लेकर बुलन्दशहर, देवरिया से लेकर दादरी तक, चित्रकूट से लेकर कानपुर तक हत्या, हिंसा, बलात्कार की घटनाएं चरम पर हैं। योगी के जंगलराज से सर्वाधिक दलित, पिछड़े वर्ग के लोग प्रताड़ित हो रहे हैं। प्रदेश में सरकार का इकबाल खत्म हो गया है। कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गयी है। अपराधी सरकार के संरक्षण में खुले आम अपराध कर रहे हैं जबकि आम नागरिक डरा और सहमा हुआ है। लॉकडाउन की शुरूआत से अब तक प्रदेश में सैंकड़ों हिंसा, हत्या, बलात्कार की घटनाएं हो चुकी हैं लेकिन पीड़ित परिजनों को न्याय नहीं मिल रहा है। उन्होने कहा कि एनसीआरबी और मानवाधिकार आयोग के आंकड़ों के अनुसार योगी सरकार में अपराध के आंकड़ों में लगातार बढ़ोत्तरी हुई है। महिलाओं और दलितों पर हुए अपराधों में प्रदेश पहले नम्बर पर पहुंच गया है। हर दो घंटे में एक बलात्कार

का केस दर्ज होता है और दिन भर में लगभग १२ केस दर्ज होते हैं। वर्ष २०१६ में जारी एनसीआरबी की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं के खिलाफ ५६४४५ अपराध दर्ज किए गए हैं तथा प्रतिदिन १६२ केस दर्ज हुए हैं। महिला अपराध में ७ प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। प्रदेश सरकार द्वारा महिला अपराध को नियंत्रण करने के लिए कोई कार्ययोजना सामने नहीं आयी है।

विशेष सुरक्षा बल करेगा न्यायालय और सार्वजनिक संस्थानों की सुरक्षा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को 'उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल' (यूपीएसएसएफ) के गठन का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में यह फैसला लिया गया। मुख्यमंत्री योगी ने 'उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल' के गठन की प्रक्रिया प्रारम्भ करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय की मांग के अनुसार मेट्रो रेल, एयरपोर्ट, औद्योगिक संस्थानों, बैंकों एवं अन्य वित्तीय संस्थानों आदि के साथ–साथ जिला न्यायालयों की सुरक्षा के लिये विशेष प्रशिक्षित बल की जरूरत होती है। इसके मद्देनजर एक स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स के गठन की आवश्यकता है, जो प्रोफेशनल ढंग से सुरक्षा कार्यों को सम्पादित करे। सीएम योगी ने कहा कि 'उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल' की स्पेशल ट्रेनिंग करायी जायेगी, साथ ही उन्हें आधुनिक सुरक्षा प्रणाली और सुरक्षा उपकरणों की जानकारी प्रदान की जायेगी। यह बल उत्तर प्रदेश में मेट्रो रेल, एयरपोर्ट, औद्योगिक संस्थानों, बैंकों, वित्तीय संस्थानों, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों, ऐतिहासिक, धार्मिक व तीर्थ स्थलों एवं अन्य संस्थानों, जिला न्यायालयों आदि की सुरक्षा के लिये उपलब्ध कराया जाएगा। बैठक में बताया गया कि यूपीएसएसएफ का मुख्यालय लखनऊ में प्रस्तावित है। प्रथम चरण में इस बल की ०५ बटालियन का गठन किया जाएगा। सीएम योगी ने इस सम्बन्ध में शीघ्र ही रूप–रेखा तैयार कर प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश

दिए हैं। इस मौके पर अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी, पुलिस महानिदेशक एचसी अवस्थी, अपर मुख्य सचिव वित्त संजीव मित्तल, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री संजय प्रसाद सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

योगी ने आपदा को अवसर में बदला : मोदी

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो काफ्रेंसिंग के माध्यम से 'आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश रोजगार अभियान' की शुरूआत करते हुए शुक्रवार को कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जिस तरह 'आपदा' को 'अवसर' में बदला गया, देश के अन्य राज्यों को भी इससे बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। मोदी ने कहा, 'मुझे पूर्ण विश्वास है कि योगी के नेतृत्व में जिस तरह आपदा को अवसर में बदला गया, जिस तरह योगी और उनकी टीम जी जान से जुटे हैं, देश के अन्य राज्यों को भी इस योजना से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। हर कोई इससे प्रेरणा पाएगा। मुझे उम्मीद है कि अन्य राज्य भी अपने यहां ऐसी योजनाएं लेकर आएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, 'श्रम की ताकत हम सभी ने महसूस की है। श्रम की इसी शक्ति का आधार बना, भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया प्रधानमंत्री गरीब कल्याण रोजगार अभियान। उन्होंने कहा, 'आज इसी ने आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश रोजगार अभियान को प्रेरणा दी यानी केन्द्र की योजना को योगी की सरकार ने गुणात्मक एवं संख्यात्मक दोनों ही तरीकों से विस्तार दे दिया।' उन्होंने कहा कि संकट के समय जो साहस दिखाता है, सू झबूझ दिखाता है, सफलता उसी को मिलती है। आज जब दुनिया में कोरोना का संकट है, उत्तर प्रदेश ने जो साहस और सूझबूझ दिखायी, जिस तरह स्थितियों को संभाला, वह अभूतपूर्व और प्रशंसनीय है। मोदी ने कहा, 'इसके लिए मैं उत्तर प्रदेश के २४ करोड़ नागरिकों की सराहना करता हूं। विशेष रूप से नमन

करता हूं। आपने जो काम किया है, वह पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल है। आप सबने मिलकर यूपी को जिस मुश्किल स्थिति में संभाला है, आने वाले अनेक वर्षो तक उत्तर प्रदेश का हर बच्चा, हर परिवार इसको बडे गर्वपूर्वक याद रखेगा। आने वाली पीढियां याद रखेंगी । उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के प्रयास और उपलब्धियां इसलिए विराट हैं क्योंकि यह सिर्फ एक राज्य भर नहीं है। अगर २४ करोड़ की जनता की बात करें तो ये हमारा उत्तर प्रदेश दुनिया के कई देशों से बडा राज्य है। मोदी ने कहा कि इस उपलब्धि को उत्तर प्रदेश के लोग खुद महसूस कर रहे हैं लेकिन इसको हम तब ज्यादा अच्छी तरह समझ पाते हैं और ये आंकडेघ जब जानेंगे तो हम हैरान हो जाएंगे। तुलना करने से पता चलता है कि आज उत्तर प्रदेश ने कितनी बडी सिद्धि प्राप्त की है। हम यूरोप के चार बड़े देश देखें इंगलैंड, फ्रांस, इटली और स्पेन। ये देश दो सौंढाई सौ साल तक दुनिया में सुपर पावर हुआ करते थे। आज भी दुनिया में उनका दबदबा है। उन्होंने कहा कि आज अगर इन चारों देशों की कुल जनसंख्या जोड़ दें तो वह भी उत्तर प्रदेश के २४ करोड़ की जनसंख्या के बराबर होगी। कोरोना महामारी में इन चार देशों में कुल मिलाकर एक लाख ३० हजार लोगों की मौत हो चुकी है जबकि उतनी ही जनसंख्या वाले हमारे उत्तर प्रदेश में ६०० लोगों की जान गयी। मोदी ने कहा, 'कहां एक लाख ३० हजार की मृत्यु और कहां ६०० की मृत्यु। प्रधानमंत्री ने कहा कि उक्त चार देशों ने मिलकर कितने प्रयास किये, फिर भी उनके यहां उत्तर प्रदेश से कई गुना ज्यादा जानें गयीं। ये देश विकसित हैं, उनके पास संसाधन भी हैं लेकिन फिर भी अपने नागरिकों को बचाने में उन्हें वह सफलता नहीं मिली जो सफलता उत्तर प्रदेश को मिली। इसके लिए हर उत्तर प्रदेश वासी और हर भारतवासी को गर्व होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास क्या नहीं है, सब कुछ है। साधन, संसाधन, आधुनिक टेक्नालाजी किसी चीज की कमी नहीं है लेकिन फिर भी आज अमेरिका कोरोना से बहुत बुरी तरह प्रभावित है। यह भी याद रखिये कि अमेरिका की जनसंख्या करीब ३३ करोड़ है। अमेरिका में अब तक एक लाख २५ हजार की मौत हो चुकी है जबकि हमारे उत्तर प्रदेश में ६०० लोगों की मृत्यु हुई है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'अगर योगी जी ने और उत्तर प्रदेश के उनके सभी साथियों ने, उत्तर प्रदेश सरकार ने सही से तैयारी नहीं की होती, अगर यूपी में भी अमेरिका की तरह तबाही मची होती तो आज उत्तर प्रदेश में ६०० नहीं, ८५ हजार लोगों की जान जा सकती थी। उन्होंने कहा, 'लेकिन जो मेहनत यूपी की सरकार ने की है, हम कह सकते हैं कि एक प्रकार से अब तक कम से कम ८५ हजार लोगों का जीवन बचाने में वो कामयाब हुए हैं। आज अगर हम अपने नागरिकों का जीवन बचा पा रहे हैं तो ये भी अपने आप में एक संतोष का विषय है और देश का आत्मविश्वास भी उसके कारण बढ़ता है।' मोदी ने कहा कि इसमें भी हमें एक और बात हमेशा याद रखनी चाहिए कि यह सब उस स्थिति में हुआ जब देश भर से करीब ३०३५ लाख प्रवासी कामगार और श्रमिक साथी यूपी में पिछले कुछ हफ्तों में अपने गांव लौटे। सैकड़ों श्रमिक स्पेशल ट्रेनें चलवा कर उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने लोगों को वापस बुलवा लिया। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों से आये साथियों से संक्रमण का जोखिम और भी अधिक है, लेकिन उत्तर प्रदेश ने जिस तरह स्थिति को संवेदनशीलता के साथ संभाला, उसने राज्य को एक बडे संकट से बाहर निकाल लिया। देश की भी बहुत बडी सेवा उत्तर प्रदेश ने की है। आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश रोजगार अभियान का लक्ष्य रोजगार प्रदान करने, स्थानीय स्तर पर उद्यमिता को बढाघ्वा देने और रोजगार के मौके उपलब्ध कराने के लिए औद्योगिक संगठनों और अन्य संस्थानों को साथ जोडना है। मोदी ने प्रदेश के छह जिलों के ग्रामीणों से संवाद भी किया। राज्य के सभी जिलों के ग्रामीण साझा सेवा केन्द्र और कृषि विज्ञान केन्द्रों के जरिए इस अभियान के शुभारंभ के साक्षी बने।

ट्विटर पर बोले लोग 'योगी का आत्मनिर्भर यूपी'

लखनऊ। प्रदेश में कोरोना वायरस के बढ़ते कदम के बीच उत्तर प्रदेश सरकार का 'आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश रोजगार अभियान' सोशल मीडिया पर भी छाया रहा। यह ट्विटर पर टप ट्रेंड करता रहा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश रोजगार अभियान' की शुरुआत से कुछ देर पहले से ही ट्विटर इंडिया पर हैश टैग 'योगी का आत्मनिर्भर यूपी' टॉप में ट्रेंड कर रहा था। कोरोना संकट के बीच उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा दिए गए सवा करोड़ रोजगार की ट्विटर इंडिया पर भी जमकर प्रशंसा हुई। हैश टैग 'योगी काआत्मनिर्भर यूपी' का प्रयोग करते हुए लोगों ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण के कारण देश में करोड़ों लोगों का रोजगार छिन गया था, सबसे बड़ी मार प्रवासी श्रमिकों पर पड़ी थी। मगर ऐसे में उत्तर के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सबसे पहले प्रवासी श्रमिकों को प्रदेश में वापस लाने की मुहिम छेड़ी थी। ३० लाख से अधिक प्रवासी कामगारों का पूरा डेटा बैंक तैयार कर सवा करोड़ लोगों को रोजगार देने की व्यवस्था भी की गई। लोगों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करने की तरफ योगी सरकार ने प्रभावी कदम बढ़ाया है। योगी आदित्यनाथ के कार्यालय ने भी ट्वीट किया, "हर हाथ को काम का संकल्प पूर्ण हो रहा है। उत्तर प्रदेश की अपार श्रमशक्ति ने अनेक प्रांतों को संवारा है। अब यही सामर्थ्य उत्तर प्रदेश के नव–निर्माण की सूत्रधार होगी। 'हर हाथ को काम' का पूर्ण होता संकल्प 'आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' की नींव है। आज स्वावलंबन का 'श्रम चंदन' प्रदेश के भाल को सुशोभित कर रहा है। योगी आदित्यनाथ के अफिस ने एक अन्य ट्वीट में लिखा, "कोरोना की दुर्धर विभीषिका में आदरणीय प्रधानमंत्री जी के मंत्र 'जान भी, जहान भी' ने सम्पूर्ण राष्ट्र को दिशा प्रदान की है। 'आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' की संकल्पना उसी मंत्र का प्रतिफल है और सवा करोड़ से भी अधिक श्रमशक्ति को रोजगार, उसका ऐतिहासिक सुफल है।"

प्रदर्शन कर रहे सपा कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने किया लाठीचार्ज

लखनऊ। पेट्रोलियम पदार्थों की बढ़ी कीमतों, बेरोजगारी और कानून व्यवस्था जैसे मुद्दों को लेकर शुक्रवार को उत्तर प्रदेश विधान भवन के सामने प्रदर्शन कर रहे समाजवादी पार्टी (सपा) कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। सपा कार्यकर्ता विधान भवन के सामने स्थित भाजपा राज्य मुख्यालय के सामने एकत्र होकर प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें तितर–बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा "बेरोजगारी, पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में बढ़ोत्तरी और प्रदेश की खराब कानून व्यवस्था के मुद्दों को लेकर प्रदर्शन कर रहे सपा कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज से पता चलता है कि प्रदेश की नाकाम भाजपा सरकार किस तरह जनहित से जुड़े मुद्दे उठाने वालों का दमन कर रही है।" उन्होंने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें भी साझा कीं। इस बारे में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सपा कार्यकर्ता विधान भवन की तरफ बढ़ने की कोशिश कर रहे थे जिन्हें रोकने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया।

‘साइकिल’ की सवारी कर ‘राहुल’ की टीम में पहुंचेंगे ‘राजा’

राकेश अग्नीहोत्री

कांग्रेस पेट्रोल, डीजल के बढ़ते दाम जैसे जनहित के मुद्दों पर राजनीति कर यदि २४ विधानसभा सीटों पर खुद को लड़ता हुआ दिखाई दे इसके लिए वह जरूरी माहौल बनाना चाहती है। तो इसकी एक वजह सत्ता वापसी का मंत्र फूंक कर कार्यकर्ताओं में जोश पैदा करना भी माना जाएगा.. जरूरी नहीं कांग्रेस का यह लक्ष्य पूरा हो लेकिन भाजपा में असमंजस और सरकार अस्थिर नजर आए इसलिए मचा देना या यूं कहें कि भ्रम पैदा करना भी उसकी रणनीति का हिस्सा हो सकता है। कांग्रेस से आगे बात दिग्विजय सिंह की करें तो फिर इस आंदोलन की आड़ में छुपे राजा के दूसरे मकसद को भी समझना होगा। भोपाल से लोकसभा का चुनाव हारने के बाद राजधानी समेत समूचे संसदीय क्षेत्र के प्रति अपनी जवाबदेही निभाने के लिए इसे अपना कार्यक्षेत्र घोषित किया था क्या इस क्षेत्र से चुनाव लड़ते रहे दूसरे नेता भी उनके साथ नजर आएंगे.. यह सवाल इसलिए क्योंकि पेट्रोल डीजल के बढ़ते दाम के खिलाफ यह प्रदेश स्तरीय आंदोलन है। तो दूसरे छत्रप भी क्या जिला मुख्यालय पर आंदोलन का हिस्सा बनकर अगुवाई करेंगे .. क्योंकि पिछले दिनों राजा जब एफ आई आर दर्ज कराने थाने जा रहे थे . . तब उनके साथ एनपी प्रजापति और सज्जन सिंह वर्मा जैसे नेता मौजूद थे.. उस वक्त राज्यसभा निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई थी ..अब दिग्विजय सिंह साइकिल से मुख्यमंत्री निवास पहुंचेंगे तो क्या शिवराज से उनकी मुलाकात पहले ही पक्की हो चुकी है.. यदि उस वक्त संभवत मुख्यमंत्री बल्लभ भवन में मौजूद रहे.. तो क्या राजा बल्लभ भवन भी पहुंचेंगे. . जैसे कभी आदिवासियों की मांग को लेकर शिवराज कमलनाथ से मिलने मंत्रालय पहुंच गए थे। जो भी हो राजा राज्यसभा का सर्टिफिकेट हासिल करने के एक सप्ताह के अंदर सड़क पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराने जा रहे हैं। सावधान सिर्फ भाजपा और मुख्यमंत्री शिवराज नहीं बल्कि कांग्रेस के वह नेता भी जो इस आंदोलन से दूरी बनाते हुए नजर आएंगे.. क्यों कि इसे राजा की तत्परता, जिम्मेदारी निभाने के साथ बिना समय गवाएं नई सियासी पटकथा को आगे बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा ही माना जाएगा ..ऐसे में कई सवाल एक साथ में होते हैं.. क्या राजा फर्म में लौट चुके हैं.. सांसद बनने के साथ उन्होंने भाजपा की घेराबंदी के लिए जरूरी कांग्रेस में जोश भरने की यदि ठानी है तो फिर इसमें कमलनाथ कहां होंगे.. विपक्ष की राजनीति के माहिर खिलाड़ी के तौर पर राजा खुद के लिए क्या मध्य प्रदेश में मैदान साफ देख रहे हैं। या फिर उनकी नजर दिल्ली पर भी टिकी है.. कांग्रेस के अंदर मध्यप्रदेश में उपचुनाव के बाद बड़े बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता.. फिलहाल कमलनाथ भले ही इस पर पूर्णविराम लगा चुके हैं। तो सवाल क्षत्रिय नेता के तौर पर यदि दिग्विजय सिंह कांग्रेस के एडजस्टमेंट फार्मूले में व्यक्तिगत तौर पर अपनी भूमिका हासिल कर चुके.. तो क्या जब भी नए प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष

मांग जोर पकड़ तो इन दो बड़ी भूमिकाओं में जातीय संतुलन बनाने के साथ कांग्रेस की गुटीय राजनीति को भी ध्यान में रखा जाएगा.. सवाल दिग्विजय सिंह के समकालीन और उनके द्वारा तैयार किए गए कांग्रेस के दूसरी पीढ़ी के नेताओं के लिए आखिर क्या गुंजाइश रह जाती है. तो सवाल मध्यप्रदेश में वक्त है बदलाव का नारा देने वाली कांग्रेस पीढ़ी परिवर्तन के दौर में युवा जुझारू नेताओं के सुपुर्द संगठन को कब करेगी। सवाल यदि ७३ साल की इस उम्र में दिग्विजय साइकल चला कर जनता का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहे.. तो क्या इस संदेश को कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व भी गंभीरता से लेगा.. राजा भले ही बैक डोर एंट्री के जरिए लेकिन लगातार दूसरी बार सांसद बन चुके हैं.. उनके तेवर आक्रमक और वह जनता के बीच उसे उसका हक दिलाने के लिए सियासी लड़ाई सड़क पर लड़ने की मंशा भी रखते हैं.. क्या यह मान लिया जाए कि दिग्गी राजा की नजर ज्योतिरादित्य सिंधिया के पार्टी से बाहर जाने के बाद प्रदेश की राजनीति तक सीमित हो कर रह गई है ..या फिर पूरी तरह से खुद को दिल्ली शिफ्ट कर वह राष्ट्रीय राजनीति करना चाहेंगे. . तो सवाल क्या जिन उपचुनावों को कमलनाथ के लिए अंतिम लड़ाई माना जा रहा। राजा को बेताबी से उसके परिणामों का भी इंतजार है.. या फिर फिर प्रदेश की राजनीति में चाहे सदन के अंदर हो या फिर संगठन का नेतृत्व कमलनाथ की पसंद का ही कोई चेहरा सामने आएगा.. या फिर दिग्विजय के राज्यसभा सांसद बनने के बाद प्रदेश के इन दो महत्वपूर्ण पदों पर दिग्विजय से इत्तेफाक नहीं रखने वाले पार्टी में अभी भी उनके प्रतिद्वंदी माने जाने वाले दूसरे नेताओं पर राष्ट्रीय नेतृत्व भरोसा करेगा.. कुल मिलाकर क्या कांग्रेस में नए सिरे से समन्वय की सियासत भविष्य में देखने को मिलेगी.. जिसमें एडजस्टमेंट के नाम पर ही सही दूसरे क्षत्रपों की की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी.. राजनीति संभावनाओं का खेल है और दिग्विजय सिंह ने अपनी उपयोगिता सिद्ध करके पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व का भरोसा जीता। यह साबित किया ढलती उम्र में भी कांग्रेस में उनकी पूछ परख लगातार बढ़ रही है.. मध्य प्रदेश की राजनीति में कुछ महीनों पहले तक राजा और महाराजा के बीच प्रतिस्पर्धा की खूब चर्चा रही है.. लेकिन कमलनाथ सरकार के तख्तापलट के बाद यह खबर भी अपुष्ट तौर पर निकल कर सामने आ चुकी है कि कई विवादों के चलते ज्योतिरादित्य और कमलनाथ के बीच में सब कुछ ठीक–ठाक नहीं था .. पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व में इन दोनों नेताओं के बीच सुलह कराने की जिम्मेदारी दिग्विजय सिंह को सौंपी थी.. इसी बीच सड़क पर उतर जाने और उतर जाओ के इन दो शीर्ष नेताओं के बयानों ने कांग्रेस की इंटरनल पलिटिक्स को गरमा दिया था जिसकी एक बैठक दिल्ली में हुई थी तब बात बनने के बजाय और बिगड़ गई थी। किसे किसकी कौन सी बात बुरी लगी इस पर इस बैठक में मौजूद नेता बोलने को तैयार नहीं.. बाद में दिग्गी राजा ने शिवपुरी गुना दौरे के दौरान सिंधिया से मुलाकात कर संवाद आगे बढ़ाने की कोशिश की थी। लेकिन तब तक देर हो चुकी थी.. उस वक्त की तस्वीरें गवाह है कि यह मुलाकात हंसी ठिठोली के साथ सड़क तक सीमित होकर रह गई थी.. बदलते राजनीतिक परिदृश्य में दिग्विजय सिंह को पहली पसंद के तौर पर मध्य प्रदेश के राज्यसभा में भेजे जाने के बाद अब उनकी नई भूमिका की अटकले फिर शुरू हो गई है.. सवाल जब भी राहुल गांधी के एक बार फिर पार्टी की कमान संभालने की अटकलों पर विराम लगेगा.. तब क्या दिग्विजय सिंह उनकी टीम में नजर आएंगे . जिन्होंने कभी उत्तर प्रदेश के प्रभारी और राष्ट्रीय महासचिव रहते राहुल गांधी के साथ देश के सबसे बड़े राज्य में साथ काम किया था। या फिर गोवा में सरकार नहीं बना पाने के बाद जिन्हें धीरे धीरे कई राज्यों के प्रभारी से मुक्त कर दिया गया था ..उस वक्त दिग्विजय सिंह अपनी नई स्क्रिप्ट को आगे बढ़ाने के लिए मध्य प्रदेश में नर्मदा यात्रा पर निकल गए थे। बाद में विधानसभा चुनाव में राहुल गांधी ने भले ही कमलनाथ और ज्योतिरादित्य की जोड़ी को सामने रखकर चुनाव लड़ा। लेकिन कोअर्डिनेटर की भूमिका निभाते हुए दिग्विजय ने मध्यप्रदेश में कमलनाथ सरकार बनाने में बड़ी भूमिका निभाई। धारणा यही बनी की खुद सुपर सीएम के तौर पर स्थापित हो गए.. इस बीच राज्य सभा की २ सीटों को लेकर पार्टी के अंदर विवाद खड़ा हुआ और विवादों के चलते सरकार खो दी.. अब जब एक बार फिर दिग्विजय राज्यसभा में नजर आएंगे.. तब पार्टी में उनकी नई भूमिका को लेकर कयास फिर से शुरू हो जाएंगे.. आखिर वह प्रदेश या फिर केंद्र की राजनीति करेंगे.. कांग्रेस जब राष्ट्रीय स्तर पर राहुल गांधी के नेतृत्व में युवाओं को आगे लाने की रणनीति पर लगातार आगे बढ़ रही है.. कोरोना के कहर से पहले कांग्रेस के अंदर अप्रैल में राहुल गांधी को फिर से राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने के बयान उनके जिम्मेदार नेता देते रहे.. चाहे फिर वह रणदीप सिंह सुरजेवाला हो अजय माकन, शशि थरूर ..कांग्रेस के अंदर यह बहस अभी खत्म नहीं हुई है। कोरोना काल में भी जिस तरह राहुल गांधी विशेषज्ञों के इंटरव्यू एक पत्रकार की भूमिका में ले रहे या फिर कोरोना से आगे देश की बिगड़ती आर्थिक स्थिति और सीमा पर तनाव खासतौर से चीन के मुद्दे पर पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सिर्फ सांसद रहते सुरक्षा नीति पर सवाल खड़े कर रहे.. उसने एक बार फिर आक्रामक राहुल गांधी को पार्टी की कमान सौंपी जाने की मांग जोर पकड़ रही है. सवाल क्या राहुल गांधी अपने मित्र ज्योतिरादित्य को खो देने के बाद क्या अनुभवी दिग्गी राजा को अपनी टीम में शामिल करेंगे.. जिनकी पहचान ही मोदी शाह और भाजपा ही नहीं बल्कि संघ को खरी खोटी सुनाना है। बड़ा सवाल ज्योतिरादित्य भी राज्यसभा में पहुंच चुके हैं और जल्द उन्हें मोदी मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है.. जिसके बाद मध्य प्रदेश की राजनीति में कांग्रेस छोड़ चुके भाजपा के इस नेता के बढ़ते दखल से इनकार नहीं किया जा सकता. . सवाल क्या राहुल गांधी दिग्विजय सिंह को संगठन की अपनी टीम में लेकर मध्यप्रदेश में नई चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस की नई स्क्रिप्ट को आगे बढ़ाएंगे।

अर्थव्यवस्था के विकास में गुणवत्ता की केंद्रीय भूमिका : पीयूष

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आज कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को पांच हजार अरब डॉलर का आकार देने में प्रौद्योगिकी और नवाचार के साथ–साथ गुणवत्ता की भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। गोयल ने यहां भारतीय गुणवत्ता परिषद् की ४६ वीं वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि गुणवत्ता हासिल करना एक मुकाम नहीं बल्कि सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। इस अवसर पर परिषद के महासचिव अरुण कुमार झा, सचिव गुरुप्रसाद महापात्रा और लगभग १८० संगठनों के प्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गुणवत्ता के उपयोग से किसी भी

संगठन में आमूल–चूल परिवर्तन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पांच हजार अरब डॉलर की भारतीय अर्थव्यवस्था का निर्माण करने में प्रौद्योगिकी और नवाचार की महत्वपूर्ण भूमिका होगी लेकिन गुणवत्ता इसमें केंद्रीय भूमिका निभाएगी। उन्होंने भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता पर जोर देते हुए कहा कि इस संबंध में किसी भी कीमत पर कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता अचानक सुनिश्चित नहीं होती बल्कि सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और निरंतर प्रयास से संभव होती है। उन्होंने कहा कि उद्योगों और विभिन्न संस्थानों से इस संबंध में मिले सुझावों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा।

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद समेत सभी जनपदों में बेटियों ने मारी बाजी

लखनऊ। कोविड–१९ की तमाम चुनौतियों के बीच आखिरकार शनिवार को यूपी बोर्ड के परीक्षार्थियों का परिणाम जारी कर दिया गया। लखनऊ के लोक भवन से उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा, माध्यमिक शिक्षा निदेशक विनय कुमार पाण्डे, सचिव परिषद नीना श्रीवास्तव, मुख्य सचिव माध्यमिक आराधना शुक्ला की मौजूदगी में परिणाम जारी किया गया। परिणाम जारी करते हुए उप मुख्यमंत्री ने बताया कि इस बार १०वीं में ८३.३१ फीसदी और १२वीं में ७४.६३ फीसदी परीक्षार्थियों ने पास की है। हाईस्कूल (१०वीं) में बड़ौत–बागपत की रिया जैन ने ९६.६७ फीसदी मार्क्स के साथ टॉप किया है। जबकि इंटरमीडिएट (१२वीं) में बड़ौत–बागपत के अनुराग मलिक ने ९७: मार्क्स के साथ टॉप किया है। १०वीं और १२वीं के टॉपर एक ही स्कूल से हैं। इस वर्ष १०वीं और १२वीं दोनों का रिजल्ट पिछले साल से अच्छा रहा है। दोनों कक्षाओं में लड़कियों का रिजल्ट लड़कों से बेहतर रहा है। इस बार टॉपर्स को एक लाख रुपये और लैपटॉप का पुरस्कार दिया जाएगा। पहले स्थान पर बड़ौत–बागपत की रिया जैन ने ९६.६७ फीसदी मार्क्स के साथ टॉप किया है। दूसरे नंबर पर– अभिमन्यु वर्मा– पिता–रामहित

वर्मा–९५. ८३:, बाराबंकी तीसरे नंबर पर– योगेश प्रताप सिंह– राजेंद्र प्रताप सिंह ९५.३३:, बाराबंकी। इंटरमीडिएट (१२वीं) में बड़ौत–बागपत के अनुराग मलिक ने ९७: मार्क्स के साथ टॉप किया है। दूसरे स्थान पर प्रांजल सिंह ९६: प्रयागराज तीसरे स्थान पर उत्कर्ष शुक्ला, ९४.८० औरैया उपमुख्यमंत्री ने कहा, 'हमने एनसीईआरटी का कोर्स लागू किया। यूपी में ढाई साल में शैक्षिक क्रांति आई इससे। उनकी किताबें उपलब्ध कराईं। वेबसाइट पर किताबों के मूल्यों का अंकन किया। सरकारी स्कूलों में सही दामों में किताबों का इंतजाम किया। १५–२० साल पहले से सस्ते दामों में किताबें मिल रही हैं और पाठ्यक्रम बेहतर हुआ। डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि प्रदेश में ५२ लाख विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। परीक्षाफल समय से जारी करना सपना था। कठिन परिस्थितियों में परीक्षा करवाईं। २१ दिनों में कपियां जांचना और जल्दी परीक्षाफल घोषित करना महालक्ष्य था। रिजल्ट पिछले वर्ष से बेहतर है। दस महीने पहले ही स्कीम दी थी। परीक्षा १२ से १५ दिन में करवाईं। साथ में हमने प्रश्नपत्रों के मडल अपलोड किए थे। टोल फ्री हेल्पलाइन लगवाई। नकलविहीन परीक्षा के लिए ६५ हजार परीक्षाकक्ष थे। एक लाख से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे राउटर के साथ लगे। इस बार १०वीं–१२वीं की परीक्षा एक साथ १८ फरवरी को शुरू हुई थीं। १०वीं की परीक्षा ३ मार्च जबकि इंटर की परीक्षा ६ मार्च को समाप्त हुई थी। इस बार कोरोना वायरस संक्रमण के चलते मूल्यांकन कार्य बाधित हुआ। इसलिए परीक्षा परिणाम एक माह देरी से जारी हुआ। इस बारे में जानकारी देते हुए उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने कहा कि पहली बार डिजिटल प्रमाणपत्र व अंकपत्र दिए जाएंगे। ३ दिन के अंदर अंकपत्र मिलेंगे। १५ व ३० जुलाई के आसपास सफ्टकपी मिलने लगेंगी अंकपत्र की। राजधानी से यूपी बोर्ड १०वीं और १२वीं की परीक्षा देने वाले १०,१०४३ छात्र–छात्राओं का इंतजार खत्म हो गया। लखनऊ में इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम, ८१. ६४ प्रतिशत रहा, इसमें बेटियों ने बाजी मारी उनका परिणाम ८८.६३ प्रतिशत रहा, जघ्बकि लड़कों का ७४.४० रहा। वहीं हाइस्कूल में बेटियों ने बाजी मारी यहां दसवीं में कुल प्रतिशत ८६ रहा। इसमें बेटियां ६३. ६० फीसदी अंको के साथ सबसे आगे रही हैं जबकि लड़के ८४.१६ प्रतिशत के साथ पीछे रहे हैं। बरेली में यूपी बोर्ड हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम में बेटियां आगे रही यहां इंटरमीडिएट में बेटियों का परिणाम ८८.२५ प्रतिशत रहा, जबकि लड़कों का परिणाम ७४.६६ प्रतिशत रहा। वहीं हाईस्कूल में बरेली का कुल प्रतिशत ८५.१८ रहा जबकि यहां बेटियां ९१.५६ प्रतिशत के साथ आगे रहीं वहीं ८०. ४१ प्रतिशत के साथ बेटे पीछे रहे। मुरादाबाद में इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम में बेटियां आगे रही, यहां बेटियों का परिणाम ८६.०२ प्रतिशत रहा जबकि लड़कों का परिणाम ७१.६८ फीसदी रहा। यहां हाईस्कूल में कुल परिणाम ८६.७८ प्रतिशत इसमें ६४.४६ प्रतिशत के साथ बेटियां आगे रही जबकि लड़के ८५. ४६ प्रतिशत के साथ पीछे रहे।

दिल्ली में कोरोना नियंत्रण के लिए 5 सूत्री रणनीति : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना की दिन प्रतिदिन भयावह होती स्थिति के बीच शनिवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस महामारी से निपटने में मिले सहयोग के लिये केंद्र सरकार का धन्यवाद करते हुए कहा कि हम संक्रमण को नियत्रंण मे लाने की पांच सूत्री रणनीति पर आगे बढ़ रहे हैं। राजधानी में संक्रमण की स्थिति पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये आज मीडिया को संबोधित करते हुए श्री केजरीवाल ने कहा कि कोरोना के खिलाफ युद्ध में दिल्ली सरकार के पांच हथियार हैं.. अस्पतालों में बेड की संख्या बढ़ाना,बड़े स्तर पर जांच और आइसोलेशन करना, अक्सीमीटर और मरीज में अक्सीजन के स्तर पर ध्यान देना , प्लाज्मा थेरेपी से इलाज तथा सर्वे और स्क्रीनिंग। केंद्र से छोटे–छोटे मुद्दों पर टकराव करने वाले श्री केजरीवाल का आज मोदी सरकार के प्रति अंदाज अलग दिखा। उन्होंने कहा दिल्ली में जांच तेजी से बढ़वाने में केंद्र सरकार ने बड़ा सहयोग दिया। श्री केजरीवाल ने कहा कि केंद्र ने ही पहले ऐंटीजेन किट्स दीं और फिर हाथ पकड़कर बताया कि कैसे इस काम में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा जून में कोरोना उम्मीद से ज्यादा तेजी से बढ़ा इसलिए शुरुआत में बेड्स की कमी हुई लेकिन अब इस कमी को दूर कर लिया गया है। जांच और आइसोलेशन पर उन्होंने कहा कि पहले जांच के लिए धक्के खाने पड़ते

थे लेकिन अब स्थिति सुधरी है। जून के पहले सप्ताह में रोज पांच हजार टेस्ट हो रहे थे जिसे अब बढ़ाकर २० हजार कर दिया गया है। दस महीने पहले ही स्कीम दी थी। परीक्षा १२ से १५ दिन में करवाईं। साथ में हमने प्रश्नपत्रों के मडल अपलोड किए थे। टोल फ्री हेल्पलाइन लगवाई। नकलविहीन परीक्षा के लिए ६५ हजार परीक्षाकक्ष थे। एक लाख से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे राउटर के साथ लगे। इस बार १०वीं–१२वीं की परीक्षा एक साथ १८ फरवरी को शुरू हुई थीं। १०वीं की परीक्षा ३ मार्च जबकि इंटर की परीक्षा ६ मार्च को समाप्त हुई थी। इस बार कोरोना वायरस संक्रमण के चलते मूल्यांकन कार्य बाधित हुआ। इसलिए परीक्षा परिणाम एक माह देरी से जारी हुआ। इस बारे में जानकारी देते हुए उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने कहा कि पहली बार डिजिटल प्रमाणपत्र व अंकपत्र दिए जाएंगे। ३ दिन के अंदर अंकपत्र मिलेंगे। १५ व ३० जुलाई के आसपास सफ्टकपी मिलने लगेंगी अंकपत्र की। राजधानी से यूपी बोर्ड १०वीं और १२वीं की परीक्षा देने वाले १०,१०४३ छात्र–छात्राओं का इंतजार खत्म हो गया। लखनऊ में इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम, ८१. ६४ प्रतिशत रहा, इसमें बेटियों ने बाजी मारी उनका परिणाम ८८.६३ प्रतिशत रहा, जघ्बकि लड़कों का ७४.४० रहा। वहीं हाइस्कूल में बेटियों ने बाजी मारी यहां दसवीं में कुल प्रतिशत ८६ रहा। इसमें बेटियां ६३. ६० फीसदी अंको के साथ सबसे आगे रही हैं जबकि लड़के ८४.१६ प्रतिशत के साथ पीछे रहे हैं। बरेली में यूपी बोर्ड हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम में बेटियां आगे रही यहां इंटरमीडिएट में बेटियों का परिणाम ८८.२५ प्रतिशत रहा, जबकि लड़कों का परिणाम ७४.६६ प्रतिशत रहा। वहीं हाईस्कूल में बरेली का कुल प्रतिशत ८५.१८ रहा जबकि यहां बेटियां ९१.५६ प्रतिशत के साथ आगे रहीं वहीं ८०. ४१ प्रतिशत के साथ बेटे पीछे रहे। मुरादाबाद में इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम में बेटियां आगे रही, यहां बेटियों का परिणाम ८६.०२ प्रतिशत रहा जबकि लड़कों का परिणाम ७१.६८ फीसदी रहा। यहां हाईस्कूल में कुल परिणाम ८६.७८ प्रतिशत इसमें ६४.४६ प्रतिशत के साथ बेटियां आगे रही जबकि लड़के ८५. ४६ प्रतिशत के साथ पीछे रहे। है। तीसरा हथियार अक्सीमीटर है। इस पर उन्होंने बताया कि होम आइसोलेशन वाले लोगों को ऑक्सीमीटर दिया जा रहा है। अगर उन्हें अक्सीजन स्तर कम लगता है तो वे फोन करके मदद ले सकते हैं। चौथा हथियार प्लाजमा थेरेपी है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले दिल्ली में इसे आजमाया गया, २६ मरीजों को प्लजामा थेरेपी दी गयी जिसका परीक्षण सफल भी रहा था। सर्वे और स्क्रीनिंग को कोरोना के खिलाफ उन्होंने आखिरी हथियार बताते हुए कहा कि आज से दिल्ली में सीरो सर्वेक्षण शुरू हो रहा है। बीस हजार लोगों के खून के नमूने इसमें लिए जायेंगे ,जिनकी जांच से पता चलेगा कि राजधानी में कोरोना वायरस का कितना फैलाव हुआ है । इसे समझने में इस सर्वेक्षण से बड़ी मदद मिलेगी। केजरीवाल ने बताया कि शुक्रवार को २१ हजार से अधिक जांच की गई जो दिल्ली में अब तक की सर्वाधिक जांच थी। सीरो सर्वे आज से शुरू होकर १० जुलाई तक पूरा होगा। इससे पता चलेगा कि कितने लोगों के शरीर में इस वायरस से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो चुकी है। सर्वे में पूरी दिल्ली से करीब २० हजार नमूने एकत्रित किए जाएंगे शनिवार से दिल्ली के सभी जिलों में सीरोलजिकल सर्वे शुरू हुआ है। इसके लिए सभी जिलों के जिलाधिकारियों ने अपने जिले के मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी की देखरेख में टीमें तैयार की हैं। करीब ११०० टीमें गठित की गई हैं। टीमें चुनींदा इलाकों में जाकर नमूने एकत्रित करेंगी, जिनकी जांच के नतीजों के आधार पर यह पता चलेगा कि कोरोना के खिलाफ एंटीबडीज किस तरह विकसित हो रही हैं और उनके विकसित होने की दर क्या है। खून के नमूने की जांच करके आधे घंटे में यह पता लगाया जा सकेगा कि जिस व्यक्ति का नमूना लिया गया है, उसके अंदर हर्ड इम्युनिटी विकसित हुई है या नहीं। नमूने की जांच के लिए एक विशेष किट का इस्तेमाल किया जाएगा। सभी नमूनों की जांच के आधार पर राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) एक रिपोर्ट तैयार करके सरकार को सौंपेगी। अगर कोई व्यक्ति कोरोना की चपेट में आता है, लेकिन उसके अंदर कोई लक्षण नहीं उभरता है, तो ऐसे लोगों के शरीर में ५–७ दिन के अंदर अपने आप एंटीबडी बनना शुरू हो जाती हैं, जो वायरस को शरीर में पनपने नहीं देती हैं। सर्वेक्षण से इन्हीं एंटीबडीज की जांच करके यह पता लगाया जाएगा कि दिल्ली में कौन कौन से ऐसे इलाके हैं और ऐसी कितनी आबादी है, जहां लोगों को कोरोना हुआ, मगर वे अपने आप ठीक भी हो गए। इससे वायरस के प्रसार और उसकी क्षमता का पता लगाने में भी मदद मिलेगी। गृह मंत्रालय के निर्देश पर एनसीडीसी यह सर्वे करवा रही है। इसमें जिले से ८०० से १००० के करीब नमूने लिए किए जाएंगे। खून के यह नमूने औचक ढंग से घरों को चुनकर वहां रहने वाले लोगों के लिए जायेंगे। दिल्ली कोरोना के मामले में ७७,२४० के साथ दूसरे स्थान पर है। कोरोना से दिल्ली में २४९२ लोगों की मौत हो चुकी है।

कोई हमें नजर उठाकर देखेगा, तो हम आंख निकालने की क्षमता रखते हैं : गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय परिवहन और सड़क निर्माण मंत्री नितिन गड़करी ने कहा कि हम किसी पर आक्रमण नही करेंगे, लेकिन कोई अगर नजर उठाकर हमें देखेगा, तो हम आंख निकालने की क्षमता रखते है। उन्होंने कहा कि हमारे जवानों का पराक्रम जबरदस्त है। नागपुर से राजस्थान जनसंवाद रैली को संबोधित करते हुये केन्द्रीय परिवहन मंत्री ने कहा कि हम सामर्थ्यवान बनना चाहते हैं लेकिन हम किसी की जमीन हड़पना नहीं चाहते। हमने कभी भूटान, नेपाल की तरफ आंख उठाकर नही देखा , बांग्लादेश की एक इंच जमीन कभी भी नही हड़पी। हमने बांग्लादेश को आजाद कराया। गड़करी ने कहा कि आज देश की सीमा पूरी तरह सुरक्षित है। जो ५०–६० साल में कांग्रेस ने नहीं किया ,वो ६ साल में हमने करके दिखा दिया है। उन्होंने कहा

कि आजकल सीमा पर चारो ओर रोड बनाये जा रहे है। चार धाम रोड चीन और नेपाल की सीमा तक बनाई जा रही है,जिसपर १२ हजार करोड़ का खर्च आयेगा। मानसरोवर तक जाने के लिये भारत से होकर रास्ता बनाया जा रहा है। यह रोड उत्तराखंड के पिथौरागढ़ से होकर बनाया जा रहा है । गडकरी ने कहा कि आगे छह महीने में यह रोड बनकर तैयार हो जाएगा। उसी तरह अरुणाचल प्रदेश में फ्रंटियर हाईवे बनाया जा रहा है। जम्मू कश्मीर का उल्लेख करते हुए गड़करी ने कहा कि ६ ाारा ३७० के खत्म होने के बाद वहां आंतकवाद खत्म होने को है। विकास की नई धारा वहां शुरू हो गई है। जोजिला पास में टनल बनाया जा रहा है। आईआईटी और एम्स बनाये जा रहे हैं। गडकरी ने कहा कि देश मे माओवाद, नक्सलवाद खत्म होने को है। विकास का चक्र चारों ओर घूम रहा है।

प्रधानमंत्री ने की 'आत्मनिर्भर उप्र रोजगार अभियान' की शुरुआत

लखनऊ। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वीडियो कन्फ्रेंसिंग के जरिए 'आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश रोजगार अभियान' की शुरुआत की। इस दौरान ६ जनपदों के लोगों से बात कर रहे हैं। पहले जनपद हरदोई और बहराइच के लोगों से बात की। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद हैं। इस दौरान उन्होंने गोंडा की विनीता और बहराइच के तिलकराम से बात की। प्रधानमंत्री ने तिलकराम से कहा, "आपको मकान मिला है, लेकिन मुझे क्या दोगे?" जवाब में उन्होंने कहा कि हम दुआ करते हैं कि आप पूरी जिंदगी प्रधानमंत्री रहें। प्रधानमंत्री ने कहा कि आप मेरे लिए एक काम करेंगे। आप अपने बच्चों को अच्छी पढ़ाई कराएं और इसकी जानकारी मुझे देते रहें। सिद्धार्थनगर के कोडरा गांव के कुरबान अली ने काम मिलने पर मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि हम मुंबई में काम करने से पहले गांव में प्राइवेट काम करते थे, अब हमको राजमिस्त्री काम मिला है। हम ट्रेनिंग भी कर रहे हैं, हमको इसका प्रमाणपत्र भी मिला है। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, "कोरोना संकट में प्रधानमंत्री मोदी ने कामगार और श्रमिकों की जिन योजनाओं को आगे बढ़ाने का मार्गदर्शन दिया था, उससे अब रोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है।"

गुजरात में कांग्रेस छोड़ने वाले ५ विधायक भाजपा में शामिल होंगे

गांधीनगर। गुजरात में राज्यसभा चुनाव से पहले कांग्रेस से इस्तीफ देने वाले आठ में से पांच विधायक आज भारतीय जनता पार्टी में शामिल होंगे। भाजपा सूत्रों के अनुसार, इन पांच विधायकों का औपचारिक स्वागत गांधीनगर स्थित पार्टी मुख्यालय में होगा। पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख जीतू वघानी पार्टी मुख्यालय 'कमलम' में पांचों विधायकों का स्वागत करेंगे। भाजपा में शामिल होने वाले विधायक हैं– धारी के विधायक रहे जे.वी. काकड़िया, अबदासा के विधायक रहे प्रद्युम्नसिंह जडेजा, करजान क्षेत्र से विधायक रहे अक्षय पटेल, कापरादा के विधायक रहे जीतू चौधरी और मोरबी क्षेत्र के पूर्व विधायक बृजेश मेरजा। कांग्रेस छोड़ने वाले इन पांचों विधायकों के समर्थकों को भाजपा कार्यालय में आकर जमघट लगाने से मना किया गया है।

कोरोना से जंग में दिल्ली को केंद्र की हरसंभव मदद

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना वायरस (कोविड–१९) के तेजी से बढ़ते मामलों के बीच केंद्र सरकार इस महामारी से निपटने के लिए राष्ट्रीय राजधानी को हरसंभव मदद मुहैया करा रही है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने ४.७ लाख आरटी–पीसीआर जांच के लिए दिल्ली के १२ प्रयोगशालाओं को जांच सामग्रियों की आपूर्ति की है। आईसीएमआर ने जांच के लिए जरूरी १.५७ लाख आरएनए एक्स्ट्रैक्शन किट और सैंपल संग्रह के लिए २.८४ लाख वीटीएम (वायरल ट्रांसपोर्ट मीडियम) और स्वाब उपलब्ध कराये हैं। आईसीएमआर ने दिल्ली में संक्रमण के अचानक बढ़ते मामलों को देखते हुये एंटीजीन–आधारित रैपिड जांच की मंजूरी दी और दिल्ली सरकार को ५०,००० एंटीजीन रैपिड टेस्ट किट की आपूर्ति की है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) ने कोविड–१९ से

निपटने के लिए सभी पहलुओं पर तकनीकी मार्गदर्शन कर दिल्ली सरकार की मदद की है। एनसीडीसी २७ जून से १० जुलाई तक दिल्ली में सीरोलजिकल सर्वे भी करेगा। यह एंटी–बडीज की उपस्थिति का पता लगाने के लिए २०,००० लोगों के खून के नमूनों की जांच करेगा। कोरोना वायरस संक्रमण से निपटने के लिए दिल्ली के छतरपुर के राधा स्वामी सत्संग ब्यास में १०,००० बेड वाला 'सरदार पटेल कोविड केयर केंद्र' शुरू किया जा रहा है। पर्याप्त संख्या में चिकित्सा कर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने समेत केंद्र के संपूर्ण संचालन में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) मुख्य भूमिका निभा रही है। भारत सरकार ने दिल्ली को ११.११ लाख एन९५ मास्क, ६.८.१ लाख पीपीई किट और ४४.८० लाख एचसीक्यू टैबलेट का वितरण किया है। इसके अलावा केंद्र की तरफ से दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों में ४२५ वेंटिलेटर भी उपलब्ध कराये गये हैं।

नोएडा में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़

नोएडा। थाना सेक्टर २० पुलिस और बदमाशों के बीच शुक्रवार देर रात को सेक्टर १५ के पास मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में पुलिस द्वारा चलाई गई गोली दो बदमाशों को लगी है। उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों बदमाश कुछ दिन पूर्व ही जेल से पैरोल पर छूट कर बाहर आए थे। अपर पुलिस उपायुक्त रणविजय सिंह ने बताया कि थाना सेक्टर २० पुलिस बीती रात को सेक्टर १५ के नाले के पास चेकिंग कर रही थी। तभी मोटरसाइकिल पर सवार होकर दो बदमाश आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने जब उन्हें रुकने का इशारा किया तो बदमाशों ने पुलिसकर्मियों पर गोलियां चला दी। उन्होंने बताया कि जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने भी गोली चलायी जो प्रमोद उर्फ राजू उर्फ ष्णा तथा आकाश उर्फ दाढ़ी को लगी। उन्होंने बताया कि दोनों को गंभीर हालत में नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनके पास से एक लाइसेंसी सिंगल बैरल बंदूक, २४ जिंदा कारतूस, दो देसी तमंचे, एक मोटरसाइकिल बरामद हुई है। अपर उपायुक्त ने बताया कि इन बदमाशों में से प्रमोद पर लूटपाट, चोरी व हत्या के प्रयास के १५ मामले दर्ज हैं जबकि आकाश पर नौ मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि कोविड –१९ के चलते उत्तर प्रदेश सरकार ने कुछ कैदियों को पैरोल पर रिहा किया है। उसी के तहत २८ मई को प्रमोद तथा २ जून को आकाश ग्रेटर नोएडा स्थित लुक्सर जेल से पैरोल पर बाहर आए थे। ये लोग जेल से बाहर आते ही लूटपाट व चोरी की वारदातों को फिर से अंजाम देने लगे थे। उन्होंने बताया कि इनके पास से बरामद बंदूक व कारतूस सेक्टर ६ में रहने वाले सिक्योरिटी गार्ड बेचन प्रसाद के यहां से २४ जून को चोरी की गई थी। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि इन बदमाशों ने पैरोल पर आने के बाद लूटपाट व चोरी की कई वारदातें की है।

भारतीय–अमेरिकी लोगों के समर्थन के लिए आभारी हैं ट्रंप : व्हाइट हाउस

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत के लोगों और भारतीय–अमेरिकियों से मिल रहे व्यापक समर्थन के लिए उनके बहुत आभारी हैं। व्हाइट हाउस ने उस

सर्वेक्षण के जवाब में यह टिप्पणी की है जिसमें संकेत मिले हैं कि अमेरिका के कुछ अहम राज्यों में भारतीय समुदाय के ५० प्रतिशत से अधिक सदस्य नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप के पक्ष में जा रहे हैं।व्हाइट हाउस की उप प्रेस सचिव सारा मैथ्यूज ने हाल के सर्वेक्षण के नतीजों पर सवाल का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की। आम तौर पर डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए वोट करने वाले भारतीय–अमेरिकी तीन नवंबर के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के ट्रंप के पक्ष में जा रहे हैं। मैथ्यूज ने बताया, राष्ट्रपति ट्रंप भारत के लोगों और अमेरिका में लाखों भारतीय–अमेरिकियों से मिले व्यापक समर्थन के लिए काफी आभारी हैं। ट्रंप विक्ट्री इंडियन– अमेरिकन फाइनेंस कमिटी के सह–अध्यक्ष अल मैसन द्वारा किए सर्वेक्षण के नतीजों के अनुसार चुनावी मुकाबले वाले अहम राज्यों मिशिगन, फ्लोरिडा, टेक्सास, पेन्सिलवेनिया और वर्जीनिया में ५० प्रतिशत से अधिक भारतीय– अमेरिकी ट्रंप के पक्ष में जा रहे हैं। राष्ट्रपति पद के कार्यकाल के दौरान ट्रंप ने भारतीय–अमेरिकी समुदाय तक पहुंच बनाने की अतिरिक्त कोशिश की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनके करीबी संबंधों ने उन्हें भारतीय–अमेरिकियों दिलों में जगह बनाने में काफी मदद की है। मैथ्यूज ने कहा, उन्होंने (ट्रंप) हमारी अर्थव्यवस्था को बढ़ाने, हमारी संस्कृति को समृद्ध करने और हमारे समुदायों को मजबूत करने में भारतीय–अमेरिकियों की अहम भूमिका को पहचाना है। उन्होंने कहा, भारतीय–अमेरिकियों के बीच बेरोजगारी दर करीब ३३ प्रतिशत तक गिरी।

असम में बाढ़ से हाल विकराल, 2.53 लोग प्रभावित

गुवाहाटी। मानसून के असम पहुंचने के बाद पिछले कुछ दिनों से मूसलाधार और इस कारण बाढ़ की हालत ने विकराल रूप ले लिया है। राज्य के १६ जिलों के ७०४ गांव बाढ़ की चपेट में हैं। ब्रह्मपुत्र नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। अधिकारियों ने यह जानकारी शुक्रवार का दी। असम के मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने सभी जिलों के उपायुक्तों को बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं।

वर्षाजनित हादसों के पीड़ितों की मदद करे सरकार : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने उत्तर प्रदेश और बिहार में बारिश और

वज्रपात से हुयी जन हानि पर दुख व्यक्त करते हुये पीड़ित परिवारों की मदद करने की मांग की है। मायावती ने ट्वीट किया यूपी व बिहार राज्य में अति–वृष्टि, ओलावृष्टि व आकाशीय बिजली गिरने से फसल व सम्पत्ति आदि की व्यापक हानि के साथ–साथ अनेक लोगों की हुई मौत अति–दुःखद। सरकार पीड़ित परिवारों को यथाशीघ्र समुचित अनुग्रह राशि देकर उनकी समय से मदद करे, यह बीएसपी की माँग है। गौरतलब है कि कल उत्तर प्रदेश और बिहार में बारिश और वज्रपात से १५० से अधिक लोगों की मृत्यु हो गयी थी जबकि सैकड़ों मवेशी मारे गये थे। वर्षाजनित हादसों में ७५ से अधिक लोग घायल हो गये थे।

दिल्ली में रिकॉर्ड २१,१४४ कोरोना टेस्ट

नई दिल्ली। दिल्ली में लगातार पैर पसार रहे कोरोना संक्रमण की रोकथाम के जांच में तेजी लाई जा रही है और रिकॉर्ड २१ हजार १४४ टेस्ट किये गये। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि राज्य सरकार कोरोना को लेकर अब बहुत आक्रामक जांच और आइसेलोशन रणनीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि गत दिवस रिकार्ड २१,१४४ कोरोना जांच की गई हैं। देश में दिल्ली कोरोना मामले में दूसरे स्थान पर है। राजधानी में कुल संक्रमण का आंकड़ा ७७ हजार २४० पर पहुंच गया है और यह वायरस २४६२ मरीजों की जान ले चुका है।

कासगंज में चार और फर्जी शिक्षक पकड़े गए

कासगंज। उत्तर प्रदेश के कासगंज में शुक्रवार को चार और फर्जी शिक्षक पकड़े गये हैं। बेसिक शिक्षा अधिकारी अंजली अग्रवाल ने बताया कि एसआईटी की जांच में आज कासगंज में चार और फर्जी शिक्षक पकड़े गए हैं। इन शिक्षकों की २००४–०५ की बीएड की डिग्री फर्जी मिली है। उन्होंने बताया कि अनामिका शुक्ला फर्जी शिक्षिका समेत कासगंज में अब तक १३ फर्जी शिक्षक पकड़े गये हैं। इसमें से चार कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के और नौ परिषदीय प्राइमरी स्कूलों के शिक्षक हैं। मामले की छानबीन जारी है।

अनामिका शुक्ला के बाद अब एटा में भी मिली फर्जी शिक्षिका

एटा। उत्तर प्रदेश में एटा के बेसिक शिक्षा विभाग में प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका को एक ही पेनकार्ड पर दो जगह औरैय्या और एटा में वेतन दिए जाने को मामला प्रकाश में आया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी, संजय सिंह ने शुक्रवार को यहां बताया कि जैथरा ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय कुंवरपुर में प्रधानाध्यापक के पद पर नौ अगस्त २०१० से तैनात है शिक्षिका मीना देवी एक ही पेनकार्ड से औरैया औ एटा जिले से वेतन ले रही है। उन्होंने बताया कि दोनों जगहों से वेतन ले रही शिक्षिका का नाम ,वल्दियत, शैक्षिक दस्तावेजों पर रोल नम्बर तथा पैनकार्ड एक है। शिक्षिका दो जिलों में नौकरी कर रही है। एक ही नाम व पते की मीना देवी नाम की शिक्षिका है। उन्होंने बताया कि औरैय्या के विकास खंड अजीतमल में प्राथमिक विद्यालय तेजलपुर में प्रधान अध्यापिका के रूप में २००७ से तैनात है शिक्षिका मीना देवी। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कारण बताओ नोटिस जारी कर शिक्षिका का वेतन रोक दिया है। जांच में प्रथम दृष्ट्या शिक्षिका फर्जी पायी गयी है। जांच पूरी होने पर फर्जी शिक्षिका पर एफआईआर कर वेतन रिकवरी की जायेगी।

तालाब पर अवैध कब्जे को लेकर चला प्रशासन का चाबुक

ओयल–खीरी। मानव जहां अपने फायदे को लेकर लगातार जल संचय के मुख्य संसाधनों को नष्ट कर अपनी जरुरतें पूरी करता जा रहा है वहीं इसके परिणाम स्वरुप वर्तमान समय में दुनियां पर जल संकट गहराता जा रहा है। फिर भी लोग अपने फायदे को सर्वोपरि रखते हुए तालाबों, कुओं आदि को अन्धाधुन्ध तरीके से नष्ट करते जा रहे हैं। इस पर रोंक लगाने हेतु केन्द्र व राज्य सरकारों ने कई नियम कानून तो बना दिये किन्तु धूर्त जिम्मेदारों की भ्रष्ट कार्यप्रणाली के चलते सरकार की मंसा सफल होती नहीं प्रतीत हो रही है। इस का जीता जागता उदाहरण कस्बा ओयल की रिपोर्टिंग पुलिस चौकी के पीछे कथित भू–माफियाओं के द्वारा झबरा ताल को अपनी जमीन की पटाई कराने के नाम पर पाट रास्ता बनाया जा रहा है। जिसकी कई किसानों ने जनपद के आलाधिकारियों से शिकात करते हुए तालाब पर किये जा रहे अवैध कब्जे से मुक्त कराने की मांग की है। किसानों की मांग पर कानून गो अंकित अवस्थी व क्षेत्रीय लेखपाल पंकज तोमर ने मौका मुआयना कर गाटा संख्या ५६२ जिसपर तालाब अंकित है, हो रहे पटाई के कार्य को पैमाइश के बाद बन्द करा दिया। उक्त जमीन के समीप स्थित गाटा संख्या ५५६ के मालिक जावेद अन्सारी पुत्र इमामुद्दीन अन्सार ने पटाई करा रहे जीतेन्द्र गुप्ता व मिट्ठू अन्सारी पर उनकी जमीन पर अवैध रुप से सरकारी रास्ते समेत पाटने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की मांग करने की बात कही। इस संबन्ध में कानूनगो अंकित अवस्थी ने बताया कि उक्त गाटा संख्या ५६२ जिस पर तालाब अंकित है, पैमाइश करा पटाई के कार्य को रुकवा दिया गया है, आगामी दिनों में सरकारी रास्ते की भी पैमाइश करा आगे की कार्यवाही जायेगी।

सड़क सुरक्षा सप्ताह के चौथे दिन आयोजित हुए विविध कार्यक्रम

लखीमपुर खीरी। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन बीके सिंह ने बताया कि प्रथम सड़क सुरक्षा सप्ताह २२ जून से २८ जून के मध्य संचालित है। गुरूवार को सप्ताह के चतुर्थ दिन वाहनों में प्रदूषण की जाँच की गयी, मार्ग पर प्रवर्तन की संयुक्त चेकिंग करते हुए यात्रीध्मालकर अधिकारी श्रीराम कश्यप एवं टी. एस.आई. लखीमपुर–खीरी सूर्यमणि यादव द्वारा ५३ ऐसे वाहन जिनके प्रदूषण प्रमाण–पत्र वैध नहीं थे का चालान किया गया। इन वाहनों को अपना प्रदूषण प्रमाण–पत्र जल्द से जल्द निर्गत कराने के निर्देश भी दिये गये हैं। उक्त के अतिरिक्त चेकिंग के दौरान मार्ग पर चेक किये गये वाहनों के चालकों को सड़क सुरक्षा विषयक जानकारी यथा भी दी गयी। प्रदूषण चेकिंग के साथ–साथ मार्ग पर सुरक्षित परिवहन के उपाय भी बताये गये जैसे दुपहिया वाहन चालकों द्वारा हेल्मेट लगाना, चार पहिया चालकों द्वारा सीट बेल्ट का प्रयोग किया जाना, गलत साइड से ड्राइविंग न किया जाना, ओवरटेक करने से पहले अपर डिपर व हार्न का प्रयोग करना, ओवर स्पीडिंग न करना, नशे की हालत में वाहन का संचालन न करना, एवं दाँये–बाँये मुड़ने से पहले इन्डिकेटर का प्रयोग किया जाना। आदि कई प्रकार के उपाय वाहन चालकों को बताये गये जिससे कि वाहनों का संचालन सही तरीके से हो और कोई दुर्घटना न घटे। इसी क्रम में संभागीय निरीक्षक (प्राविधिक) पंकज ने जनपद के समस्त मोटर ट्रेनिंग स्कूलों की जाँच का अभियान भी चलाया गया। उक्त अभियान में बालाजी मोटर ट्रेनिंग स्कूल, एल. बी.एस. मोटर ट्रेनिंग स्कूल, माँ शक्ति मोटर ट्रेनिंग स्कूल एवं शारदा मोटर ट्रेनिंग स्कूल का निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण में जिन मोटर ट्रेनिंग स्कूलों में कमियाँ पाई गयी हैं, उन्हें चेतावनी देते हुए उक्त कमियों को दूर करने के सख्त निर्देश दिये गये। निर्देशों का अनुपालन न करने पर इनके विरूद्ध कार्यवाही भी की जायेगी।

चोरी के तीस हजार रुपये व ०१ मोटरसाइकिल सहित शातिर गिरफ्तार

लखीमपुर–खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी के निर्देशन में अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के दौरान आज दिनांक २५.०६.२० को थाना पसगवां पुलिस द्वारा ०१ शातिर अभियुक्तः–१. मोहजम उर्फ भोलू पुत्र आजाद नि० ग्राम लालनगंज थाना गोला जनपद खीरी को ०१ अदद अवैध तमंचा ३१५ बोर मय ०२ अदद जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया है, जिसके कब्जे से मु०अ०सं० २३८ध्२० धारा ३७६ध्४११ भादवि० से संबंधित चोरी के ३०००० रुपये व ०१ मोटरसाइकिल बरामद की गयी है। गिरफ्तार अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है, जिसके विरुद्ध पूर्व में डकैती, चोरी व हत्या के प्रयास आदि के मुकदमें पंजीकृत है।

अद्भुत समुद्री जीव : ब्रिटल स्टार

अमरेन्द्र सहाय अमर

समुद्र इतना विशाल है कि आज भी वैज्ञानिक अभी तक सिर्फ इसका पांच प्रतिशत ही जान सके हैं. इस समुद्र में धरती से कही अधिक ज्यादा जीवन रहता है. तरह–तरह के जीव यहीं पर जन्म लेते हैं और मर जाते हैं. आपने कई बार मछती, शार्क और केंकड़ा देखे होंगे और आपको लगता भी होगा कि शायद समुद्र बस इतने तक ही सीमित है. एक समुद्र अपने अंदर बहुत कुछ समाए होता है, जिसके बारे में बिना उसकी गहराई में जाए पता नहीं लगाया जा सकता. इसी उद्देश्य को लेकर दुनिया भर के ५८ समुद्री वैज्ञानिकों की एक टीम ने पूरे एक महीने के लिए अस्ट्रेलिया के तट पर खोज की. यह अभियान विश्व का पहला अभियान था, जब समुद्र के अंदर ४००० से ६००० मीटर गहराई तक खोज की गई. वैज्ञानिकों की यह मेहनत रंग लाई. उन्होंने समुद्र के अन्दर कुछ नई विचित्र बारह प्रजातियां को खोज निकाला. इन्ही प्रजातियों में एक है ब्रिटल स्टार. इस ब्रिटल स्टार मछली को हम इसलिए पहचान सकते हैं कि क्योंकि इसकी डिस्क बाकी सितारा मछलियों की तुलना में काफी छोटी होती है. ब्रिटल स्टार फिश अपने टियूब फीट से दो मुख्य काम लेती है . एक तो वह आस पास की

रोशनी की मात्रा को कम या ज्यादा होनी की पहचान कर सकती है दूसरे वह इससे गंध की पहचान कर लेती है. ब्रिटल स्टार फिश के बारे में इन दिनों एक अजीबो गरीब वीडियो वायरल हो रहा है जिसको आपने न कभी रियल लाइफ में देखा होता ना फिर कभी टीवी चौनल पर. हाँ डिस्कवरी चौनल पर कुछ समुद्री जीवो पर जानकारी अवश्य दिखाई जाती है. डिस्कवरी चौनल पर दुनिया के हर जीव जंतु की तस्वीरें एवम वीडियो दिखाए जाते हैं पर इस बीच सोशल पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा जिसको आपने आज तक किसी भी प्लेटफर्म पर नहीं देखा होगा. इस वायरल वीडियो को देखकर आपको एक पल ऐसा लगेगा की यह सांप है. वह वायरल वीडियो तो मैं आपको नही दिखासकता परन्तु उस वीडियो के कुछ चित्र आप इस लेख के साथ देख सकते है. इस हैरान कर देने वाले वीडियो में पत्थर पर एक जानवर रेंगता हुआ दिखाई दे रहा है लोगों को शुरुआत में तो सांप लगता है पर जैसे ही वीडियो आगे बढ़ा तो पूरी तरह से कोई अलग ही जानवर दिखा. लोगों ने पहली बार इस तरह के जानवर को देखा था. वीडियो में आप साफ देख सकते हैं कि इस जानवर के पांच हाथ है जो बिलकुल सांप की तरह पत्थर पर धीरे धीरे रेंगते हुए आगे बढ़ रहा है. इस वीडियो को एक यूजर ने अपने ट्विटर अकाउंट से शेयर किया है. और वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, "क्या है यह" ..वहीं इस वीडियो को अब तक करीब तीन लाख से ज्यादा लोग देख चुके हैं और हजारों कमेंट्स के साथ कुछ लोगों का सवाल है इस वीडियो पर आखिर में वो भी कंफ्यूज हो गए. छ यूजर्स ने कमेंट कर जवाब भी दिया कहा ये जानवर ब्रिटल स्टार या ओफियोरोइड है. ब्रिटल स्टार्स समुद्री जीव होते हैं जो कि स्टारफिश की तरह दिखते हैं. इनको सरपेंट स्टार्स के रूप में भी जाना जाता है. ब्रिटल स्टार्स की २,००० से अधिक प्रजातियां हैं, और उनमें से कई गहरे समुद्र में पाए जाते हैं. वे अपनी लंबी भुजाओं का उपयोग करके समुद्र के तल पर रेंगते हैं.छ यूजर्स ने कमेंट कर जवाब भी दिया कहा ये जानवर ब्रिटल स्टार यानि ओफियोरोइड है. ब्रिटल स्टार समुद्री जीव होते हैं जो कि स्टारफिश की तरह दिखते हैं. इनको सरपेंट स्टार्स के रूप में भी जाना जाता है. ब्रिटल स्टार्स की २,००० से अधिक प्रजातियां हैं, और उनमें से कई प्रजातियाँ बहुत ही गहरे समुद्र में पाई जाती हैं..।

रैपिड एन्टीजेन टेस्टिंग को दिया जाय बढ़ावा : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रैपिड एन्टीजेन टेस्टिंग को बढ़ाने के निर्देश देते हुए कहा कि इस विधि को अपनाकर कम समय में ही सैम्पल के जांच परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। योगी ने शुक्रवार को यहां अपने सरकारी आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि रैपिड एन्टीजेन टेस्टिंग को बढ़ाने की आवश्यकता है। इस विधि को अपनाकर कम समय में सैम्पल के जांच परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। टेस्टिंग क्षमता में वृद्धि के लिए लगातार प्रयास किए जाय। उन्होंने कहा कि कोविड–१९ से बचाव के लिये लोगों को जागरूक करने तथा संक्रमण के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए लगातार प्रयास किया जाना आवश्यक है। सभी सरकारी तथा निजी चिकित्सालयों में कोविड हेल्प डेस्क की स्थापना की जाय। कोविड एवं नॉन कोविड चिकित्सालयों के कार्यों की निरन्तर मॉनिटरिंग की जाए। इन अस्पतालों से लगातार संवाद बनाकर चिकित्सा व्यवस्था को और मजबूत किया जाय। योगी ने कहा कि मेडिकल इंफेक्शन को रोकने के लिए चिकित्साकर्मियों को सभी सावधानियों की जानकारी उपलब्ध ा कराई जाए। इसके लिए डॉक्टरों तथा अन्य चिकित्साकर्मियों की ट्रेनिंग का कार्य लगातार संचालित करना होगा। मेडिकल टीम को संक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए पी.पी.ई. किट, एन–९५ मास्क, ग्लव्स एवं सेनिटाइजर आदि की

सुचारु व्यवस्था बनाए रखी जाए। पुलिस तथा पी.ए.सी. के कार्मिकों को संक्रमण से बचाने के लिए सभी सावधानियां बरती जाए। कोविड–१९ के संक्रमण को नियंत्रित करने में बेहतर सर्विलांस की उपयोगिता का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी और ग्रामीण इलाकों में निगरानी समितियों को सक्रिय रखा जाए। स्क्रीनिंग टीम के माध्यम से मेडिकल स्क्रीनिंग का कार्य प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए। इसके लिए टीम को इंफ्रारेड थर्मामीटर तथा पल्स अक्सीमीटर उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा पेट्रोलिंग का कार्य निरन्तर किया जाए। बाजारों, चौराहों आदि में नियमित तौर पर फुट पेट्रोलिंग करते हुए सुनिश्चित किया जाए कि कहीं भी भीड़ एकत्र न हो। सोशल डिस्टेंसिंग का पूरी तरह पालन कराया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि लोग मास्क का अवश्य उपयोग करें। उन्होंने वृद्धाश्रम, महिला संरक्षण गृह तथा बालगृह में रैण्डम चेकिंग कराते हुए संक्रमण को नियंत्रित करने के निर्देश दिए। योगी ने कहा कि आकाशीय बिजली की आपदा से सुरक्षित रखने के उपायों का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाए। इस सम्बन्ध में बरती जाने वाली सावध ाानियों की जानकारी लोगों को बताई जाए। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से दैवीय आपदा से होने वाली जनहानि को रोका जा सकेगा। उन्होंने गौवंश के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिए जाने के निर्देश भी दिए।

मुलायम सिंह यादव की बायोपिक का पोस्टर रिलीज

मुंबई। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की बायोपिक का पोस्टर रिलीज कर दिया गया है। बॉलीवुड में राजनेताओं पर आध

ाारित बायोपिक फिल्मों का चलन जोरो पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, शिव सेना सुप्रीमो बाला साहब ठाकरे और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के बाद अब उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की बायोपिक बनायी जा रही है। फिल्म का शीर्षक है मैं मुलायम सिंह यादव। फिल्म का निर्देशन सुवेंदु राज घोष कर रहे हैं। फिल्म का पोस्टर रिलीज कर दिया गया है जिसमें मुलायम सिंह को काफी सशक्त रूप में दिखाया गया है। नए पोस्टर को रिलीज करते हुए बताया गया है मुलायम सिंह यादव वो शख्सियत हैं जिन्होंने राजनीति में कदम तब रखा जब पूंजीवाद और ब्यूरोक्रेसी का बोलबाला था। फिल्म में अमित सेठी, मिमोह चक्रवर्ती, गोविंद नामदेव, मुकेश तिवारी, जरीना वहाब और सुप्रिया कार्णिक जैसे कलाकार अहम रोल निभाते नजर आएंगे।

डिजिटल प्लेटफॉर्म निष्पक्ष और लोकतांत्रिक मंच है : मनोज बाजपेयी

मुंबई। अभिनेता मनोज बाजपेयी कहते हैं कि डिजिटल एक 'निष्पक्ष' और 'लोकतांत्रिक' मंच है, जहां दर्शक बड़े और छोटे बैनर के बीच भेदभाव नहीं करते हैं। ओटीटी प्लेटफर्म को ऐसे ही बने रहना चाहिए। मनोज वाजपेयी ने बताया, मैं सालों से चिल्ला रहा हूं कि बक्स अफिस सिनेमा की गुणवत्ता या योग्यता को परिभाषित नहीं करता है। छोटी फिल्मों के लिए इंडस्ट्री में जगह ही नहीं रही। बस, १०० करोड़ या उससे ज्यादा कमाने वाली फिल्मों को ही अच्छा माना जाता है। मैं उम्मीद करता हूं कि ओटीटी प्लेटफर्म हमेशा ऐसा ही बना रहेगा और उस रास्ते पर नहीं जाएगा, जिस पर सिनेमा के थिएटर मालिक और पारंपरिक प्रोड्यूसर्स गए। मनोज बाजपेयी की नई फिल्म 'भोंसले' की हाल ही में सोनी लाइव पर ओटीटी रिलीज हुई है। अभिनेता को लगता है कि ओटीटी इस तरह की एक छोटी फिल्म के लिए आदर्श मंच है। इसे लेकर उन्होंने कहा, यह 'भोंसले' जैसी फिल्म के लिए शानदार है। इस तरह की एक छोटी फिल्म को देखने को उतने दर्शक थिएटर में नहीं मिलेंगे, जितने एक ओटीटी प्लेटफर्म पर मिलेंगे।

हालांकि हमने इसे अप्रैल में सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना बनाई थी लेकिन मुझे लगता है कि इसका ओटीटी प्लेटफर्म पर रिलीज होना ही बेहतर रहा। फिल्म में अपने चरित्र के बारे में अभिनेता ने खुलासा किया, "मेरा किरदार गणपत भोंसले का है, जो सामाजिक गतिविधियों से कटा रहता है। उसे समाज के तौर–तरीके पसंद नहीं आते और उसके अंदर बहुत गुस्सा है।

कंगना ने चाइनीज प्रोडक्ट्स बॉयकॉट करने की अपील की

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने लोगों से चाइनीज प्रोडक्ट्स को बॉयकॉट करने की अपील की है। कंगना रनौत की टीम ने इंस्टाग्राम पर उनका वीडियो शेयर किया है जिसमें वह सभी से चाइनीज प्रोडक्ट्स को

बैन करने की मांग कर रही हैं। कंगना ने कहा, "यदि कोई हमारे हाथ से हमारी उंगलियों को काटने की कोशिश करे तो किस तरह का कष्ट होगा आपको। वही कष्ट पहुंचाया है चाइना ने हमें लद्दाख पर अपनी लालची नजरें गड़ा कर। वहां हमारी सीमा का एक–एक इंच बचाने के लिए हमारे २० जवान शहीद हो गए हैं। क्या ये सोचना ठीक है कि सिर्फ सेना युद्ध करती है, इसमे हमारा कोई योगदान नहीं है। क्या हम भूल गए हैं वो वक्त जब महात्मा गांधी जी ने कहा था कि यदि अंग्रेजों की रीढ़ तोड़नी है तो उनके बनाए गए हर उत्पादन का बहिष्कार करना होगा। क्या ये जरूरी नहीं कि हम भी इस युद्ध में हिस्सा लें क्योंकि लद्दाख सिर्फ एक जमीन का टुकड़ा नहीं है। भारत की अस्मिता का बड़ा हिस्सा है। कंगना ने कहा, "हमें चाइनीज प्रोडक्ट्स का बहिष्कार करना होगा ताकि वो यहां से कमाई हुई संपत्ति से हथियार खरीदकर हमारे सेनिकों पर हमला ना करे। हमें प्रतिज्ञा लेनी होगी कि हम चाइनीज प्रोडक्ट्स को बॉयकॉट करेंगे और इस युद्ध में हिस्सा लेकर भारत को जिताएंगे। जय हिंद'।

'रसभरी' के विवादित दृश्य पर स्वरा भास्कर ने दी सफाई

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने अपनी नई वेब सीरीज 'रसभरी' के एक दृश्य को लेकर केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के प्रमुख प्रसून जोशी द्वारा आपत्ति जताने के बाद उस पर सफाई दी है। प्रसून जोशी ने शुक्रवार को दृश्य को लेकर आपत्ति जताते हुए उसे गैर–जिम्मेदाराना कंटेंट बताया था। स्वरा भास्कर ने सीबीएफसी प्रमुख को दृश्य के उद्देश्य को समझाने के लिए ट्विटर पर पोस्ट किया और उनके गलत समझने की बात कही। स्वरा ने लिखा, "आदर सहित सर, शायद आप सीन को गलत समझ रहे हैं। सीन में जो वर्णन किया गया है, ठीक उसका उल्टा है। बच्ची अपनी मर्जी से नाच रही है, पिता देखकर झेंप जाता है और शर्मिंदा होता है। नाच उत्तेजक नहीं है, बच्ची बस नाच रही है, वो नहीं जानती कि समाज उसे भी सेक्सुअलाइज करेगा, सीन यही दिखाता है।" स्वरा का यह ट्वीट प्रसून जोशी के एक ट्वीट के रिप्लाई में आया, जिसमें उन्होंने लिखा था, "दुख हुआ। वेब सीरीज हैशटैगरसभरी में असंवेदनशीलता से एक छोटी बच्ची को पुरुषों के सामने उत्तेजक नाच करते हुए एक वस्तु की तरह दिखाना निंदनीय है। आज रचनाकारों और दर्शक सोचें, बात मनोरंजन की नहीं, यहां बच्चियों के प्रति ष्टिकोण का प्रश्न है, यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है या शोषण की मनमानी।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक